Jon

Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיְהִי	דְבַר־	יְהוָה	אֶל־	יוֹנָה	שֵׁנִית	לֵאמֹר׃	
और-हुआ	वचन-	यहोवा-का	को-	योना	दूसरी-बार	कहते-हुए	
H1961	H1697	H3068	H0413	H3124	H8145	H0559	

> इसके बाद यहोवा ने योना से फिर कहा। यहोवा ने कहा,

2

קוּם	לֵךְ	אֶל־	נִינְוֵה	הָעִיר	הַגְּדוֹלָה	וְקְרָא	אֵלֶיהָ	אֵת־	הַקְּרִיאָה	אֲשֶׁר
उठ	जा	को-	नीनवे	नगर	बड़े	और-पुकार	उस-से	को-	घोषणा	जो
	H3212	H0413	H5210			H7121	H0413	H0853	H7150	H0595

אֵלֶיךָ׃	דַּבֵּר
तुझ-से	बोलता-हूं
H0413	H1696

> “तू नीनवे के बड़े नगर में जा और वहाँ जा कर, जो बातें मैं तुझे बताता हूँ, उनकी शिक्षा दे।”

3

וַיָּקָם	יוֹנָה	וַיֵּלֶךְ	נִינְוֵה	כִּדְבַר	יְהוָה	וְנִינְוֵה	הָיְתָה	עִיר־	גְּדוֹלָה
और-उठा	योना	और-गया	नीनवे	वचन-के-अनुसार	यहोवा-के	और-नीनवे	थी	नगर-	बड़ा
	H3124	H3212	H5210	H1697	H3068	H5210	H1961		

לֵאלֹהִים	מַהֲלַךְ	שְׁלֹשֶׁת	יָמִים׃
एलोहीम-के-लिए	चलने-में	तीन	दिन
H0430	H4109	H7969	H3117

> सो यहोवा की आज्ञा मान कर योना नीनवे को चला गया। निनवे एक विशाल नगर था। वह इतना विशाल था, कि उस नगर में एक किनारे से दूसरे किनारे तक व्यक्ति को पैदल चल कर जाने में तीन दिन का समय लगता था।

4

וַיָּחֶל	יוֹנָה	לָבוֹא	בָּעִיר	מַהֲלַךְ	יוֹם	אֶחָד	וַיִּקְרָא	וַיֹּאמַר	עוֹד	אַרְבָּעִים
और-शुरू-किया	योना-ने	प्रवेश-करने	नगर-में	चलने-में	दिन	एक	और-पुकारा	और-कहा	और	चालीस
	H3124	H0935		H4109	H3117	H0259	H7121	H0559	H5750	H0705

נֶהְפָּכֶת׃	וְנִינְוֵה	יוֹם
उलट-दी-जाएगी	और-नीनवे	दिन
H2015	H5210	H3117

> सो योना ने नगर की यात्रा आरम्भ की और सारे दिन चलने के बाद, उसने लोगों को उपदेश देना आरम्भ कर दिया। योना ने कहा, “चालीस दिन बाद नीनवे तबाह हो जायेगा!”

5

וַיַּאֲמִינוּ	אַנְשֵׁי	נִינְוֵה	בֵּאלֹהִים	וַיִּקְרְאוּ־	צוֹם	וַיִּלְבְּשׁוּ	שַׂקִּים	מִגְּדוֹלָם
और-विश्वास-किया	पुरुषों-ने	नीनवे-के	एलोहीम-पर	और-उन्होंने-घोषणा-की-	उपवास	और-पहने	टाट	बड़े-से
H0539	H0376	H5210	H0430	H7121	H6685	H3847	H8242	

קְטַנָּם׃	וְעַד־
छोटे	और-तक-
	H5704

> परमेश्वर की ओर से मिले इस सन्देश पर, नीनवे के लोगों ने विश्वास किया और उन लोगों ने कुछ समय के लिए खाना छोड़कर अपने पापों पर सोच—विचार करने का निर्णय लिया। लोगों ने अपना दु:ख व्यक्त करने के लिये विशेष प्रकार के वस्त्र धारण कर लिये। नगर के सभी लोगों ने चाहे वे बहुत बड़े या बहुत छोटे हो, ऐसा ही किया।

מֵעָלָיו	אַדַּרְתּוֹ	וַיַּעֲבֵר	מִכִּסְאוֹ	וַיָּקָם	נִינְוֵה	מֶלֶךְ	אֶל־	הַדָּבָר	וַיִּגַּע	6
उस-पर-से	अपना-चोगा	और-उतारा	अपने-सिंहासन-से	और-उठा	नीनवे-के	राजा	को-	बात	और-पहुंची	
	H0155		H3678		H5210	H4428	H0413	H1697	H5060	

הָאֵפֶר׃	עַל־	וַיֵּשֶׁב	שָׂק	וַיְכַס
राख	पर-	और-बैठा	टाट	और-ढांपा
H0665		H3427	H8242	H3680

> नीनवे के राजा ने ये बातें सुनीं और उसने भी अपने बुरे कामों का शोक मनाया। इसके लिये राजा ने अपना सिंहासन छोड़ दिया। उसने अपने राजसी वस्त्र हटा दिये और अपना दु:ख व्यक्त करने के लिये शोकवस्त्र धारण कर लिये। इसके बाद वह राजा धूल में बैठ गया।

הַבָּקָר	וְהַבְּהֵמָה	הָאָדָם	לֵאמֹר	וּגְדֹלָיו	הַמֶּלֶךְ	מִטַּעַם	בְּנִינְוֵה	וַיֹּאמֶר	וַיִּזְעַק	7
गाय	और-पशु	मनुष्य	कहते-हुए	और-उस-के-प्रधानों-के	राजा-के	आज्ञा-से	नीनवे-में	और-कहा	और-पुकारा	
H1241	H0929	H0120	H0559		H4428	H2940	H5210	H0559	H2199	

יִשְׁתּוּ׃	אַל־	וּמַיִם	יִרְעוּ	אַל־	מְאוּמָה	יִטְעֲמוּ	אַל־	וְהַצֹּאן	
पिएं	मत-	और-पानी	चरें	मत-	कुछ-भी	चखें	मत-	और-भेड़	
H8354	H0408	H4325		H0408	H3972	H2938	H0408	H6629	

> राजा ने एक विशेष सन्देश लिखवाया और उस सन्देश की सारे नगर में घोषणा करवा दी: राजा और उसके बड़े शासकों की ओर से आदेश था: कुछ समय के लिये कोई भी पुरूष अथवा कोई भी पशु कुछ भी नहीं खायेगा। किसी रेवड़ या पशुओं के झुण्ड को चरागाहों में नहीं जाने दिया जायेगा। नीनवे के सजीव प्राणी न तो कुछ खायेंगे और न ही जल पीयेंगे।

מִדַּרְכּוֹ	אִישׁ	וְיָשֻׁבוּ	בְּחָזְקָה	אֱלֹהִים	אֶל־	וְיִקְרְאוּ	וְהַבְּהֵמָה	הָאָדָם	שַׂקִּים	וְיִתְכַּסּוּ	8
अपने-मार्ग-से	हर-एक	और-फिरें	बल-से	एलोहीम	को-	और-पुकारें	और-पशु	मनुष्य	टाट	और-ढांपें	
H1870	H0376	H7725	H2394	H0430	H0413	H7121	H0929	H0120	H8242	H3680	

בְּכַפֵּיהֶם׃	אֲשֶׁר	הֶחָמָס	וּמִן־	הָרָעָה
उन-के-हाथों-में	जो	हिंसा	और-से-	बुरे
H3709		H2555		

> बल्कि हर व्यक्ति और हर पशु टाट धारण करेंगे जिससे यह दिखाई दे कि वे दु:खी हैं। लोग ऊँचे स्वर में परमेश्वर को पुकारेंगे। हर व्यक्ति को अपना जीवन बदलना होगा और उसे चाहिये कि वह बुरे कर्म करना छोड़ दे।

נֹאבֵד׃	וְלֹא	אַפּוֹ	מֵחֲרוֹן	וְשָׁב	הָאֱלֹהִים	וְנִחַם	יָשׁוּב	יוֹדֵעַ	מִי־	9
हम-नाश-हों	और-नहीं	अपने-क्रोध-के	जलन-से	और-फिरेगा	एलोहीम	और-पछताएगा	फिरेगा	जानता-है	कौन-	
H0006	H3808	H0639	H2740	H7725	H0430	H5162	H7725	H3045	H4310	

> तब हो सकता है कि परमेश्वर की इच्छा बदल जाये और उसने जो योजना रच रखी है, वैसी बातें न करे। हो सकता है परमेश्वर की इच्छा बदल जाये और कुपित न हो। तब हो सकता है कि हमें दण्ड न दिया जाये।

הָאֱלֹהִים	וַיִּנָּחֶם	הָרָעָה	מִדַּרְכָּם	שָׁבוּ	כִּי־	מַעֲשֵׂיהֶם	אֶת־	הָאֱלֹהִים	וַיַּרְא	10
एलोहीम-ने	और-पछताया	बुरे	अपने-मार्ग-से	वे-फिरे	कि-	उन-के-कार्य	को-	एलोहीम-ने	और-देखा	
H0430	H5162		H1870	H7725		H4639	H0853	H0430	H7200	

עָשָׂה׃	וְלֹא	לָהֶם	לַעֲשׂוֹת־	דִּבֶּר	אֲשֶׁר־	הָרָעָה	עַל־
किया	और-नहीं	उनें	करने-के-लिए-	बोला-था	जो-	विपत्ति	पर-
	H3808	H1992		H1696			

> लोगों ने जो बातें की थी, उन्हें परमेश्वर ने देखा। परमेश्वर ने देखा कि लोगों ने बुरे कर्म करना बन्द कर दिया है। सो परमेश्वर ने अपना मन बदल लिया और जैसा करने की उसने योजना रची थी, वैसा नहीं किया। परमेश्वर ने लोगों को दण्ड नहीं दिया।